टाइम्स ऑफ़ पीडिया

NEW DELHI Page 12 Price ₹ 3.00

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इंसाफ़ की डगर पर

WEEKLY HINDI ENGLISH URDU

WED 22 DEC - TUE 28 DEC, 2021

VOL. 9. ISSUE 53

RNI No. DELMUL/2012/47011

चुनाव से पहले बोटर्स को जागरूक करना मुख्य फो



लखनऊः भारत निर्वाचन आयोग ने 5 राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए वोटर्स को जागरूक करने के लिए काम तेज कर दिया है. इसके लिए पदाधिकारियों को फोकस बढाने के निर्देश दिए गए हैं. इसी के साथ कमीशन ने कई फोन एप के जरिये जागरूकता फैलाने के

सी-विजिल और बाकी सोशल मीडिया प्लेटफार्म शामिल हैं.

वहीं, बता दें कि के अंतर्गत कई प्रखार की संस्थाओं जैसे इलेक्टोरल लिट्रेसी क्लब, वोटर अवेयरनेस फोरम, चुनावी पाठशाला आदि का भी आयोजन करने के

निर्देश दिए हैं. इन एप में वोटर हेल्पलाइन, निर्देश दिए हैं. जानकारी के मुताबिक, वोटर्स को अवेयर कराने के लिए व्यापक तौर पर प्रचार-प्रसार होना है. इसके लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के कई विभागों के अधिकारियों ने एक मीटिंग की. बताया जा रहा है कि दूरदर्शन और आकाशवाणी की मदद से ऐसे कार्यक्रमों

संचालित किए जाएंगे, जिससे मतदाता वोट करने को लेकर जागरूक हो सकें. इसके लिए रेडियो जिंगल और बाकी ऑडियो– वीडियो कंटेंट बनाए जाएंगे. यह मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय देगा. इसी के साथ स्थानीय बोलियों में भी कार्यक्रम बनाए जाएंगे, जिसके लिए कम्यूनिटी रेडियो की मदद ली जाएगी.

बताया जा रहा है कि आयोग ने फैसला लिया है कि पिंक पब्लिसिटी और जेंडर आधारित कार्यक्रमों पर भी फोकस किया जाएगा. महिलाओं के साथ दिव्यागजन और सीनिय सिटीजन के लिए की गई व्यवस्थाओं के बारे में भी जानकारी दी जाएगी. अलग तरीके से कार्यक्रम तैयार करने के साथ-साथ नमस्ते युपी और रेडियो की चर्चा कार्यक्रम आयोजित कराने पर भी विचार किया जा रहा है.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार किसी भी चुनावों को लेकर फैलने वाली अफवाह को आग नहीं मिलने दी जाएगी. सूचना निदेशालय यूनिट की मदद से तुरंत तथ्यों की जांच कर गलत जानकारी का खडन किया जाएगा. —एजेंसी

Ali Aadil Khan - Editor's Desk



क्या UP में लगेगा राष्ट्रपति शासन ?

किसको कितना होगा लाभ और क्या होनी चाहिए क्षेत्रीय पार्टियों की Strategy. देखें पूरा विश्लेषण

दरअसल भारत में हर मुद्दे को सियासत सकता है. और चुनाव से जोड़ना यहाँ की फितरत में शामिल हो गया है. Round The Year चुनावी जोड़ घटाओ में नेताओं और पार्टियों का समय बीतता है, देश और देश की जनता का किसमें भला है इसकी जगह अपना और पार्टी का किसमें भला है इस पर ध्यान केंद्रित किया जाता है. सत्तापक्ष हो या विपक्ष कोई इससे अछूता नहीं हैं. संविधान की रूह और इसका उद्देश्य For the People, By the People और Of the People और जुमलों की तरह सिर्फ जुमला रह गया है सविधान आज भी अपनी ईमानदारी से लागू तो नहीं है अपराधियों के लिए राजनीती सुरक्षा कवच बन गयी है. अब यहाँ सेवा का काम नहीं होता है.

फिलहाल UP चुनाव देश का मुद्दा बना हुआ है या बनाया गया है जो भी कहिये, यूँ तो हर चुनाव अहम् ही होता है मगर UP कई मायनो में अलग है, इस बार योगी मोदी में ज्यादा कट्टर हिंदूवादी की रेस को प्रधानमंत्री सीट से जोड़ा जा रहा है वैसे हर बार PM कैंडिडेट की एक रेस होती है किन्तु योगी मोदी की प्रतिस्प्रधा कुछ खास है. देश के सभी राज्यों में Posters और Banners पर मोदी के साथ योगी की तस्वीर इस बात का सुबत है की योगी को प्रधान मंत्री Candidate Project किया जा

उधर योगी लॉबी बीजेपी में अपनी पकड़ बनाने की पूरी जुगत में है जबकि गुजरात लॉबी का भी अपना वर्चस्व तो है ही. लेकिन योगी लॉबी द्वारा हरिद्वार में धर्म संसद में जिस तरह अधर्म करके उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में धुर्वीकरण का माहौल बनाया गया है इससे योगी पक्ष पार्टी के भीतर मजबूत नजर आ रहा है, जबिक मोदी लॉबी backfoot पर जा सकती है. और हिन्दू राष्ट्र के सपने में मोदी की जगह योगी जयादा Fit नजर आते हैं.

इसमें कोई शक नहीं है बीजेपी का Intellectual Cell अपने 100 साला तजर्बों का पूरा फायदा उठा रहा है, जिसके कारण बीजेपी की जनविरोधी योजनाओं के बावजूद केंद्र और दर्जन भर से ज्यादा प्रदेशों में हुकूमत टिकी हुई है. और किसी भी तरह हुकूमत बनाने में इनकी महारत भी है. भले Assembly में सदस्यों की संख्या एक अंक में ही क्यों न हो.

UP में आगामी Assembly चुनाव समय पर होंगे या राष्ट्रपति शासन लगेगा इसके प्रत्यक्ष प्रमाण तो नहीं किन्तु इतना जरूर पता है कि सत्तापक्ष इस बार मनमानी करने में कसर नहीं छोड़ेगा. जिस तरह से High Court के जज द्वारा प्रधान मंत्री से इस बात

है. कोई जज पहली बार PM से चुनाव Postpond की Appeal करते सुना गया, और उनकी Appeal पर Election Commission ने अमल करते हुए जल्द ही एक Team लखनऊ भेजने का फैसला ले लिया गया.

रहा सवाल चुनावी के चलते Omicron संक्रमण के बढ़ जाने का, तो इसके लिए रैलियों पर पाबंदी लगा दी जाए और चुनाव Covid Protocol के हिसाब से समय पर करा दिया जाए, जनता Polling booth पर वोट डालने जायेगी, गले मिलने तो नहीं जाएगी, और अब तो टेक्नोलॉजी का जमाना है मोदी जी का Digital India है कहीं से भी वोट डाला जा सकता है. जब देश का करोडों बच्चा ऑनलाइन क्लास कर सकता है और Exam दे सकता है तो वोट भी डाल सकता है. और वैसे भी अब तो इसी Covid या Omicron जैसे Variant में ही जनता को जीना है. और चुनाव तो उस दौर में भी देश में हुए जब लाशें गंगा और जमुना में तैर रही थीं और उनकी बेहुरमती हो रही थी.

अखिलेश यादव कि रैलियों में चुनाव की रिपोर्ट तो Videos में ही दिख रही है, और जनता का रुख भी पता लग रहा है की अपील की गयी है कि चुनाव पोस्टपोंड किन्तु इसके अलावा सरकारें भी ताजा भले सीटों में कमी हो जाये..

किये जायें, यह भी काफी विचारणीय मुदा हालात के बारे में अवगत करा रही होंगी, किसान आंदोलन से होने वाले बीजेपी के नुकसान के बारे में कहा गया था कि अगर समय रहते इन कानूनों को वापस नहीं लिया गया तो विधान सभा और लोक सभा चुनावों में भाजपा को भारी नुकसान होगा, नुकसान अभी भी होगा मगर कम होगा.

> इस सबके मद्दे नजर चुनाव को किसी सूरत टालना ही बीजेपी के पक्ष में हो सकता है. लेकिन सवाल यह है की अगर चुनाव को 6 माह के लिए टाल भी दिया जाता है तो बीजेपी के पास ऐसा कौनसा काम होगा जो जनता के सामने लाएगी? सिवाए साम्प्रदिक दंगों और धूर्वीकरण के, जिसकी कोशिश लगतार जारी है.

इस बार सभी BJP शासित प्रदेशों में anti-incumbency फैक्टर रहेगा, अगर चुनाव में बीजेपी की जीत होती है तो वो उसके काम की वजह से नहीं बल्कि Non BJP 70% वोट के Division की वजह से होगी जिसका UP में भारी चांस है, कांग्रेस का जनाधार भी बढा है, और Owaisi Factor भी अपना काम करेगा जिसका सीधा लाभ बीजेपी को होना लाजमी है. अगर सभी क्षेत्रीय Non BJP पार्टियां Pre Election Alliance नहीं करती हैं तो बीजेपी की जीत से इंकार नहीं किया जा सकता

मौलाना महमूद मदनी ने हरिद्वार में धर्म संसद के आयोजकों पर कार्यवाही की मांग की

नई दिल्ली, 23 दिसंबरः जमीयत उलेमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने हरिद्वार में आयोजित धर्म संसद में अभद्र भाषा और मुसलमानों की खुली हत्या की धमकी पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने इस पर सरकार की चुप्पी को देश के लिए "बेहद हानिकारक" बताया है।

समाचार

मौलाना मदनी ने गृह मंत्री श्री अमित शाह, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार कार्यालय को पत्र लिखकर इस पर तत्काल ध्यान देने का आग्रह किया है. उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि यहां जो हो रहा है वह देश में शांति व्यवस्था और सांप्रदायिक सद्भाव के लिए बड़ा खतरा है। इसलिए मेरी मांग है कि आयोजकों और वक्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। कार्यक्रम में कई वक्ताओं ने भड़काऊ और नफरत भरे भाषण दिए, खुले तौर पर मुसलमानों के नरसंहार का आह्वान किया और पूरे हिंदू समुदाय से सशस्त्र होने का आग्रह किया।

कार्यक्रम के अध्यक्ष और संरक्षक प्रमुख यति नरसिंह नंद ने कहा, "यदि कोई हिंदू, आतंकवादी संगठन रुज्य प्रमुख प्रभाकरण बनना चाहता है, तो मैं पहले इस उद्देश्य के लिए एक करोड़ रुपये की पेशकश करूगा और शेष 100 करोड़ रुपये जुटाऊंगा।" हर हिंदू मंदिर को एक प्रभाकरण की जरूरत है। हरिद्वार में 17 से 19 दिसंबर को देश में नफरत का माहौल बनाने के लिए धर्मसंसद का आयोजन होता है, जहां ऐसी बयानबाजी होती है कि अगर कोई मुस्लिम वो शब्द दोहरा भी देता तो उसके खिलाफ



इतनी धाराएं लग जाती कि जिंदगी उनसे पीछा छुड़ाने में गुजर जाती। परिवार बिखर जाता। इस अधर्म संसद में भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय, जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर और गाजियाबाद के साधु यति नरसिंहानंद सरस्वती, जूना अखाडे के महामंडलेश्वर और दक्षिणवादी संगठन हिंदू रक्षा सेना के स्वामी प्रबोधानंद, निरंजनी अखाडे की महामंडलेश्वर मां अन्नपूर्णा समेत धर्म संसद के आयोजक पंडित अधीर कौशिक समेत हजार से अधिक महामंडलेश्वर, महत, साध्-संत जुटे. जूना, निरंजनी, महानिर्वाणी समेत हरिद्वार के सभी प्रमुख अखाड़े इसमें शामिल रहे।

बीबीसी की रिपोर्ट है कि इस धर्म संसद में भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय 'भगवा संविधान' लेकर आए और कहा, "हिंदुस्तान में, हिंदी भाषा में, भगवा रंग में, सविधान हमें विशेष रूप से बनवाना पड़ रहा है। ये शर्म की बात है।"

धर्म संसद में धर्मदास महाराज बोले, होनी ही चाहिए।"

"अगर मैं संसद में मौजूद होता जब पीएम मनमोहन सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय संसाधनों पर अल्पसंख्यकों का पहला अधिकार है, तो मैं नाथूराम गोडसे का अनुसरण करता, मैंने उनके सीने में छह बार रिवॉल्वर से गोली मार दी होती।"

आनंद स्वरूप महाराज आग उगलते हैं, और कहते हैं, "अगर सरकारें हमारी मांग नहीं सुनती हैं, तो हम 1857 के विद्रोह की तुलना में कहीं अधिक भयानक युद्ध छेड़ेंगे।" यति नरसिंहानंद बोलते हैं, "आर्थिक बहिष्कार से काम नहीं चलेगा, हिंदू समूहों को खुद को अपडेट करने की जरूरत है। तलवारें मंच पर ही अच्छी लगती हैं। ये लड़ाई बेहतर हथियार वाले लोग ही जीतेंगे।"

सागर सिंधुराज महाराज ने कहा, "मैं बार बार दोहराता रहता हूं कि 5 हजार रुपए मोबाइल खरीदने के बजाए एक लाख रुपए का हथियार खरीदो। आपके पास कम से कम लाठी और तलवारें तो

साध्वी अन्नपूर्णा मां कहती हैं, अगर आप उन्हें खत्म करना चाहत हैं, तो उन्हें मार डालें. हमें 100 सैनिकों की जरूरत है जो इसे जीतने के लिए 20 लाख को मार

इनके बयान पढ़िए और फिर इन सवालों के जवाब दें।

पहला, कितना मुश्किल हो चला है भारत में मुसलमानो को अपना ईमान बचाना? क्या मुसलमान होना और मुसलमान मरना कोई गुनाह है?

दूसरा, क्या भारत में अब भी लोकतंत्र बचा है, जहां भगवा संविधान पेश किया जा रहा है और सरकार चुप है। रंग देखकर पीएम पहचान नहीं रहे हैं।

तीसरा, क्या कानून अंधा है? इसकी भी जांच होगी या सीधे कार्रवाई कर सजा मिलनी चाहिए? चौथा, इतनी आजादी इन्हें कहां से मिली? कहां से मिली इतना जहर उगलने की ताकत? क्यों ये इतने बेखीफ होकर धर्मसंसद लगा रहे हैं, जबकि अल्पसंख्यकों को तो अपने छोटे छोटे कार्यक्रम करने के लिए भी हजार जगह परमिशन लेनी पड़ती है।

पांचवां, देश का बहुसंख्यक हिन्दू है, वो लोकतंत्र को बचाए रखने के लिए अपने बच्चों को इनके जहर से कैसे बचाएगा?

छटा, क्या ये आतंकवाद नहीं है? क्या ये लोग, इनकी संस्था देश में बैन नहीं होना चाहिए?

हमें कानून पर विश्वास रहेगा और भरोसा रहेगा संविधान पर। इंतजार रहेगा कोर्ट के फैसले का।

ब्राह्मण जागृति मंच टिकारी ने किया बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी का पुतला दहन

टेकारी (गया बिहार)रू ब्राह्मण जागृति मंच अनुमंडल शाखा टिकारी की तत्वाधान में पूर्व से आयोजित कार्यक्रम के तहत बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व हम सुप्रीमो जीतन राम मांझी के द्वारा ब्राह्मणों के प्रति तथाकथित ब्यान व भगवान सत्य नरायान स्वामी पर विवादास्पद एवं अमर्यादित बयानों को लेकर टिकारी डाक बंगला से चलकर मेन रोड होते हुए दुर्गा स्थान चौक पर जीतनराम मांझी होश में आओ, शर्म करो, ब्राह्मण जागृति मंच जिंदाबाद, सनातन संस्कृति का अपमान, नहीं सहेगा हिन्दुस्तान आदि नारो से बुलंदी आवाज व डंके के चोट से पुतला दहन नारेबाजी के साथ किया गया।



उपस्थित लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा दिया भर्त्सना किया गया. यह

गया बयान को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए

अनुमंडल शाखा टिकारी ब्राह्मण जागृति मंच के अनुमंडल संरक्षक गोविन्द पाठक के अध्यक्षता में किया गया जिसकी देख रेख अनुमंडलीय सचिव शिवबल्लभ मिश्र ने किया।

इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित होने वालों में नवीन पाण्डेय, गणेश मिश्रा, रामकृष्ण त्रिवेदी, दुर्गा दत्त मिश्र, संतोष पाण्डेय, अरुण पाठक, जगदीश मिश्र, वचू त्रिवेदी, लालित मिश्र, विनय मिश्र, नौलेश दिवेदी, छंदा कांत मिश्रा, योगेन्द्र वैद्य, प्रदीप गौतम, उपेंद्र मिश्र, मुकेश राय, शुभम मिश्र, सुमित मिश्र, प्रदीप मिश्र, सहित सैकडों लोगों का नाम शामिल है.

– विश्वनाथ आनंद

NOTICE:

Times of Pedia does not quarantee, directly or indirectly, the quality or efficacy of any product or services described in the advertisements or other material which is commercial in nature in this Newspaper. Furthermore, Times of Pedia assumes no responsibility for the consequences attributable to inaccuracies or errors in the printing of any published material from the news agencies or articles contributed by readers. It is not necessary to agree with the views published in this Newspaper. All disputes to be settled in Delhi Courts only.

<u>छात्र विकास संगठन की सदस्यता जनवरी से</u> होगी शुरु: अलका सिंह राजपूत



मुजफ्फरपुर (बिहार) छात्र विकास संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्षा, अलका सिंह राजपूत ने अपने मुजफ्फरपुर स्थित अहियापुर आवास से प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा है कि छात्र विकास संगठन द्वारा बिहार तथा उत्तर प्रदेश के लगभग सभी जिलों में सदस्यता अभियान चलाई जाएगी, तथा दोनों राज्यों में प्रदेश, जिला, प्रखंड, वार्ड स्तरीय टीम का गठन किया जाएगा. संगठन द्वारा 10 जनवरी 2022 को राहत सामग्री का वितरण मुजफ्फरपुर एवं गया मे किया जाएगा. ध्यातव्य हो कि अलका सिंह राजपूत बिहार की उभरती हुई युवा मोटीवेटर है. जो कई अवार्ड से सम्मानित भी की जा चुकी है.

क्या भाजपा महिला विरोधी और लोकतंत्र में दोगलापन है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमती सुप्रिया श्रीनेत जी ने प्रेस वार्ता कर भाजपा सरकार पर दोहरे मापदंड अपनाये जाने का अरोप लगाते हुए कहा कि कल दिनांक 26 दिरम्बर 2021 को होनी वाली लड़की हूं लड़ सकती हूं मैराथन दौड़ प्रतियोगिता पर योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा रोक लगाना भाजपा की महिला विरोधी सोच और लोकतंत्र में दोहरे मापदंड को प्रदर्शित करता है।

कल लखनऊ के 1090 चौराहे से शुरू होनी वाली मैराथन दौड़ में प्रदेश की नारी शक्ति जो कल प्रतियोगिता में शामिल होने की तैयारी कर चुकीं थी। सरकार ने कोविड प्रोटोकाल हवाला देकर इजाजत नहीं दी जबकि आज ही भाजपा ने इकाना स्टेडियम में हजारों लोगों की भीड़ एकत्रित



की, अभी प्रदेश सरकार के पर्यटन विभाग ने मैराथन दौड़ करायी उन पर कोविड प्रोटोकाल का कोई भी नियम लागू नहीं था। और धारा 144 भी उनके लिए नहीं थी। यह दोहरा मापदंड दिखाता है कि भाजपा विपक्षी नेताओं को और उनके

कार्यक्रमों को अलोकतांत्रिक तरीके से रोककर तानाशाही रवैया अपना रही है। प्रदेश की नारी शक्ति भाजपा सरकार से सवाल पूछ रही है कि क्या चुनाव के समय सिर्फ भाजपा ही अपने कार्यक्रम करेगी उन पर कोई भी कोविड प्रोटोकॉल का नियम

लागू नहीं होता। श्रीमती सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि हमें "लडकी हूं लड़ सकती हूं" मैराथन दौड़ प्रतियोगिता की अनुमति इसलिए नहीं मिली क्योंकि प्रदेश की लड़कियों का झुकाव कांग्रेस पार्टी की तरफ दिख रहा है। क्योंकि कांग्रेस पार्टी महिलाओं के हक की बात कर रही है, उनके सम्मान की बात कर रहीं है। इससे भाजपा घबराकर और डरकर कार्यक्रमों पर रोंक लगा रही हैं, लेकिन सरकार के इस तानाशाही रवैये को प्रदेश की महिलायें समझ रहीं हैं।

कांग्रेस पार्टी अपने इस अभियान को रोंकने वाली नहीं है हमें कितना प्रयास करना पडे चाहे जितनी आवाज उठानी पडे। महिलाओं के सम्मान और स्वामिमान के लिए इस कार्यक्रम को करायेंगे। चाहे जिस अथारिटी पर जाना पडे।

खादी भंडार बेनीबाद का होगा कायाकल्प: सय्यद शाहनबाज हुसैन

बिहार के उद्योग मंत्री श्री शाहनवाज हुसैन ने मुजफ्फरपुर के बेनीबाद का औपचारिक दौरा किया. वह मध्बनी से किसी कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे. बेनीबाद से उनका बचपन का रिश्ता है, यहीं उनकी मौसी का घर भी है. अपने कुछ मित्रों के आग्रह पर वह यहां पहुंचे थे.

लोक अभियोजकध्वरिष्ट अधिवक्ता श्री नसीरुद्दीन हैदर ने श्री शाहनवाज हुसैन का गुलदस्ता देकर स्वागत किया और उनसे बातचीत की. गल्ला व्यवसाई एवम समाजिक कार्यकर्ता जावेद अहमद ने अपने खास अनुरोध पर श्री शाहनवाज हुसैन को गांव के मुख्य मुद्दों से अवगत कराने हेतु यहा बुलाया था.

उन्होंने ग्रामीणों के साथ गांव का भ्रमण किया. मंदिर, मस्जिद, कब्रिस्तान, उर्दू माध्यम विद्यालय, मदरसा,नमुशहर टोला,



बाजार का दौरा करने के बाद बैठक की. गांव के लोगों ने बागमती नदी के बाढ के खादी बाजार का विस्तार, उद्योग लगाने पानी से हर साल होने वाले नुकसान और तथा बुनकरों और महिलाओं के लिए जलजमाव की समस्या से निजात दिलाने उद्गम की व्यवस्था करने की बात भी रखी

दलित बस्ती, खादी भंडार और स्थानीय का आग्रह किया. खादी भंडार के पास पर्याप्त सरकारी जमीन का उपयोग कर

गई. उन्होंने आश्वासन दिया कि खादी भंडार के विस्तार और जीर्णोद्धार को लेकर वह कैबिनेट में प्राथमिकता से अपनी बात रखेंगे. साथ ही बाकी दूसरे मुद्दों को लेकर संबंधित विभागों और अधिकारियों को अवगत करायेंगे. श्री शाहनवाज हुसैन अपने बचपन के दिनों को याद कर काफी भावुक हो रहे थे. बूढ़े-बुजुर्गो से मिलकर उनकी दुआएं ले रहे थे.

इस अवसर पर क्षेत्र की जनता के साथ मुख्य रूप से डाक्टर जफर, इसरार अहमद, राम बाबू सिंह, इसतबा हसन रिजवी, असगर अली आदि उनकी रवानगी तक मौजूद रहे.

हम आशा करते हैं कि वे अपने इस दौरे को याद रखते हुए क्षेत्र के लोगों की समस्याओं एवं मुद्दों को हल करवाएंगे.

-गजनफर इकबाल

नुडल्स फैक्ट्री में ब्लास्ट, धमाके से हिल गया पूरा शहर

मुजफ्फरपुर, 27 दिसम्बर, 2021: के बेला औद्योगिक क्षेत्र फेज-2 में आज सुबह करीब साढ़े नौ बजे भीषण हादसा हो गया,नूडल्स फैक्ट्री का ब्यालर फटने से फैक्ट्री तबाह हो गयी,सारे उपकरण जलकर राख हो गए. धमाका इतना तेज था के पूरे शहर में इसकी आवाज गूंज गई, लगा जैसे धरती हिल गई और भुकप आया हो. लोग कुछ समझ नहीं पाए, फैक्ट्री के आसपास के लोग बेला औद्योगिक क्षेत्र की ओर दौड पड़े. वहां पाया के फैक्ट्री में आग लगी है. फैक्ट्री के ज्यादातर हिस्से ब्लास्ट के कारण उड़ गए थे. छत गायब थी और आसमान दिखाई दे रहा था. हर तरफ चीख पुकार मची थी.

मजदूरों का शरीर क्षत–विक्षत हो गया था. खून से लथपथ मजदूर मदद के लिए आवाज दे रहे थे. फौरन ही मेडिकल विभाग और फायर स्टेशन की टीमें



दमकल और एम्बुलैंस के साथ पहुंच चुके हादसा इतना दर्दनाक था के बहुत से थे. जिला प्रशासन और संबंधित थाने के कर्मचारी भी राहत और बचाव कार्य में जुटे थे. जिला प्रशासन और उद्योग विभाग के अफसर भी घटना पर पहुंच घायलों को उपचार के लिए जल्दी जल्दी कृष्ण और सुबह का समय होने से सड़क पर

मेडिकल कॉलेज अस्पताल और सदर अस्पताल भेज रहे थे. निजी और स्वास्थ्य विभाग के सभी एंबुलेंस मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में जुटे थे.

भीड़ काफी हो चुकी थी, छुट्टी का दिन

जाम की समस्या नहीं थी जैसा कि आम दिनों में देखने को मिलता है.

हादसे की बात सुनकर आम लोग भी घटना-स्थल पर लगातार पहुंच रहे थे, खबर लिखे जाने तक 10 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, लेकिन स्थानीय नागरिकों और विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है के मौत का आंकडा 50 के करीब है, रविवार होने की वजह से बहुत से मजदूर छूट्टी पर थे, फैक्ट्री में ज्यादातर कर्मचारी और मजदूर शहर के सटे बाहरी इलाके और गाव के ही थे

ऐसा माना जा रहा है कि फैक्ट्री का संचालन राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी के एक स्थानीय कद्दावर नेता कर रहे थे. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुआवजे के तौर पर परिजनों को 4 –4 लाख देने की घोषणा की है, साथ ही उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं.

-गजनफर इकबाल

अमला एरपायरिंग आर्ट एवं अन्तर्राष्ट्रीय बैश्य महासम्मेलन द्वारा अमला नारी शक्ति : दीपोत्सव रनेह मिलन का आयोजन

अमला एस्पायरिंग आर्ट एवं अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन दिल्ली प्रदेश द्वारा ''अमला नारी शक्ति'' दीपोत्सव रनेह मिलन का आयोजन श्री राम मंदिर आनंद विहार में किया गया.

कार्यक्रम की शुरआत गणेश वंदना से हुई. कार्यक्रम के मुख्य अथिति श्री ओम प्रकाश शर्मा, विधायक विश्वास नगर, श्रीमती गुजन गुप्ता-निगम पार्षद, श्री राजीव मित्तल– राष्ट्रीय महामंत्री अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन, श्रीमती सुषमा गर्ग– संस्थापक अध्यक्षा, गिरीश मित्तल- चौयरमेन अमला व महामंत्री IVF, सुनील गर्ग ट्रस्टी, सोनल गुप्ता, अशोक गुप्ता आदि ने दीप प्रज्वलित कर शुरुआत

कार्यक्रम में संस्था के बच्चों ने "महारास" नृत्य प्रस्तुत किया एवं अन्य बच्चों द्वारा नृत्य व सांस्कृतिक प्रस्तुति पेश



चार चाद लगा दिया.

कार्यक्रम में मुख्य अथितियों व अन्य अथितियों द्वारा महिलाओं को को सेनेटरी पैड, फेसवाश, कोरोनिल इम्युनिटी बुस्टर वैश्य महासम्मेलन दिल्ली प्रदेश के

की. श्री पृष्टिकन अरोरा जी ने अपने गीत टेबलेट, डेंगू के मछरों को मारने के लिए सुनाकर सबको मंत्र मुग्ध कर कार्यक्रम में आलआउट कार्ड, मोमबती, मास्क, बिंदी, लिपिस्टिक, नेल पॉलिश आदि समान वितरित किया.

संस्था के चौयरमेन व अन्तर्राष्ट्रीय

महामंत्री श्री गिरीश मित्तल जी का जन्मदिवस केक काट कर सभी ट्रस्टी व सदस्यों द्वारा मनाया गया.

कार्यक्रम में श्री दिनेश गुप्ता जी प्रधान श्री राम मंदिर एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अन्तराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन, श्री सुशील तायल मैनेजिंग ट्रस्टी, श्री सुनील गर्ग, श्री देवेंद्र अग्रवाल, श्री सचिन तायल, श्री सतेंदर अग्रवाल, श्री योगेंद्र अग्रवाल, श्री वीरेंदर गुप्ता जी नो बाहर चटनी, श्री दिनेश मित्तल जी प्रधान श्री राम मंदिर विवेक विहार, श्री गोरी मित्तल,सुनील पाराशर जी, परमार जी,श्रीमती दीप्ति अग्रवाल, श्रीमती पूजा गर्ग आदि सभी ने मुख्य अथितियों व अथितियों का स्वागत पटका पहनकर व स्मृति चिन्ह देकर किया. कार्यक्रम के अंत मे सभी ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया.

-सुनित नरूला

क्रिश्चियन कॉलेज गोलागंज लखनऊ के प्रांगण में कनटाटा हेबन इन माई हार्ट आयोजित किया गया।

क्रॉयन्स ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड कंपनी "बेस्ट ईवी स्टार्टअप ऑफ द ईयर" अवार्ड से सम्मानित

रिपोटर्रु सुनित नरूला रू

क्रॉयन्स ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को बेस्ट ईवी स्टार्टअप ऑफ द ईयर अवार्ड से ग्रीन सोसाइटी द्वारा और स्ट्रैटेजिक पार्टनर रूटस्किल्स द्वारा सम्मानित किया गया. क्रॉयंस ऑटोमोटिव की प्रबंध निदेशक सुश्री कपिला सोनी ने ई-फोरम दृ इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन को भी संबोधित किया.

25 दिसंबर 2021 को आयोजित ईवी इंडिया एक्सपो 2021 पर्यावरण मंत्रालय



एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मत्रालय द्वारा समर्थित किया गया.

गुजरात स्थित निर्माण कर्ता की प्रबंध निदेशक श्रीमती कपिला संदीप सोनी जी ने जानकारी देते हुए बताया कि कम्पनी आगामी वर्ष 2022 की पहली तिमाही में अपने वाणिज्यिक वाहनों के पहले दो प्रारूप भारतीय बाजार में उतारेगी. इनमें एलेक्रो 1 ज आंतरिक परिवहन के लिए और 0.8 (800 किग्रा भार वहन क्षमता के साथ) सामान्य परिवहन के लिए प्रयुक्त किये जा सकेंगे. वाहनों की अधिक जानकारी के लिए कंपनी की वेबसाइट Croyanceauto.com देखी जा सकती है.

-स्नित नरूला

Mega Job Fair organised by AMP in association with Jamia Hamdard and Business Employment Bureau (BEB), New Delhi.

Around 3.000 Candidaes attended and 1,000+ candidates got selected, at the Mega Job Fair organised by AMP in association with Jamia Hamdard and Business Employment Bureau(BEB).*

Association of Muslim Professionals (AMP) in association with Jamia Hamdard and Business Employment Bureau (BEB) has conducted a 'Mega Job Fair' on 22nd December, 2021 in the Hamdard Convention Center, Jamia Hamdard, New Delhi. The Job Fair was attended by enthusiastic youths across castes and communities, who were affected by the Pandemic and the Lockdown and also by those seeking change.

In the presence of Prof. (Dr.) M. Afshar Alam, Vice-Chancellor, Jamia Hamdard, Mr. Shaukat Mufti, Executive Secretary, Business and



Employment Bureau (BEB), Mr. Faroog Siddique, Head NGO, Association of Muslim Professionals and Prof. (Dr.) Manju Chhugani, Dean School of Nursing Sciences and Allied Health, inaugurated the Job Fair, held on 22nd December. 2021 in the Hamdard Convention Center, Jamia Hamdard, New Delhi.

30 Corporates with 5,000+ vacancies from across various industries participated in this Job Fair with a massive turnout of around 3.000 candidates. At the end of the day around 1,000 candidates were selected. This Job fair was successful in helping candidates get exposure to industry interactions, as well as to assist them in getting placed with reputable organizations where they can serve the companies through their knowledge & expertise.

-Team AMP

Etiquette of giving advice



Question: What are the guidelines on how to give advice? Should it be done privately or in front of other people? Who is qualified to do that?

Answer: Praise be to Allah.

Giving sincere advice is one of the prominent characteristics of Islamic brotherhood; it is part of perfect faith and ihsaan, for a Muslim's faith cannot be perfect until he loves for his brother what he loves for himself, and until he hates for his brother what he hates for himself. This forms the motive for giving sincere advice.

Al-Bukhaari (57) and Muslim (56) narrated that Jareer ibn 'Abdillah (may Allah be pleased with him) said: I gave my oath of allegiance to the Messenger of Allah (blessings and peace of Allah be upon him), pledging to establish regular prayer, pay zakaah and be sincere towards every Muslim.

Muslim (55) narrated from Tameem ad-Daari (may Allah be pleased with him) that the Prophet (blessings and peace of Allah be upon him) said: "Religion is sincerity." We said: To whom? He said: "To Allah, to His Book, to His Messenger, and to the leaders of the Muslims and their common folk."

Ibn al-Atheer (may Allah have mercy on him) said:

Sincerity towards the common folk of the Muslims means: guiding them to that which is in their best interests. End quote from an-Nihaayah (5/142).

There is a general etiquette for giving sincere advice to which the one who is compassionate towards the Muslims should adhere. This includes the following:

His motive for giving advice should be love of good for his brother and hating for anything bad to befall him. Ibn Rajab (may Allah have mercy on him) said:

With regard to giving sincere advice to the Muslims. [the one who wishes to do that] should love for them what he loves for himself, hate for them what he hates for himself, feel compassion for them, show mercy to their young ones, show respect to their elders, and share their grief and their joy, even if that is detrimental to his worldly interests, such as loving for prices to be dropped for them, even if that causes him to lose some profits on what he sells of trade goods. By the same token, he should hate everything that could cause them harm. He should love what is good for them, and hope

for harmony to exist among themand for them to continue enjoying the blessings of Allah. He should pray that they always prevail against their enemies and that all harm be warded off from them. Abu 'Amr ibn as-Salaah said: Naseehah (sincerity, sincere advice) is a comprehensive word which means that the one who is sincere should want all kinds of good for the one to whom advice is offered, and should try to achieve that for him. End quote from Jaami' al-'Uloom wa'l-Hukam (p. 80).

He should be sincere when giving advice, seeking thereby to please Allah. He should not intend thereby to prove his superiority over his brother.

That advice should be free of any element of deceit or betrayal. Shaykh Ibn Baaz (may Allah have mercy on him) said: Sincerity means being truthful and honest, with no element of deceit or betrayal. The Muslim, because of his great loyalty and love towards his brother, is sincere towards him and advises him to do all that will benefit him and that he thinks is pure, with no element of insincerity or deceit. Hence the Arabs say dhahab naasih [from the same root as naseehah], meaning pure gold that is free of any element of cheating. And they say 'asal naasih (pure honey), meaning honey that is free of beeswax or any element of cheating. End quote from Majmoo' Fataawa Ibn Baaz (5/90).

He should not intend when giving advice to shame his brother or put him down. Al-Haafiz Ibn Rajab (may Allah have mercy on him) wrote an essay on this topic entitled al-Farq bayna an-Naseehah wa't-Ta'yeer (The difference between sincere advice and shaming).

The advice should be given in a spirit of brotherhood and friendship, with no element of rebuke or harshness. Allah, may He be exalted, says (interpretation of the meaning):

"Invite to the way of your Lord with wisdom and good instruction, and argue with them in a way that is best" [an-Nahl 16:125].

It should be done on the basis of knowledge and clear proof. As-Sa'di (may Allah have mercy on him) said: Wisdom dictates that giving advice to others should be done on the basis of knowledge, not ignorance, and that one should start with that which is more important, then that which is less important, and with that which is easy to explain and understand, and that which is more likely to be accepted. The advice should be given in a kind and gentle manner. If the person to whom the advice is given pays heed to this approach, which is based on wisdom, all well and good; otherwise we should move on to exhorting him with good instruction, which means enjoining what what is right and forbidding what is wrong, accompanied by

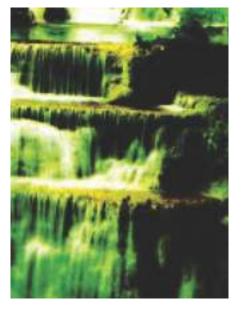
mention of the reward from Allah for doing good and the punishment for doing wrong. If the person to whom that is addressed believes that what he is doing is sound and correct, or he calls people to falsehood, then we should argue (debate) with him in a way that is best, which means debating with him in ways that are based on rational arguments and religious texts, which includes quoting evidence that he regards as sound and valid, for that is more likely to lead to a positive response. The debate should not lead to dispute or trading of insults, for that would defeat the purpose and serve no interest; rather the aim of the debate is to guide people to the truth, not merely to prove the other side wrong, and so on. End quote from Tafseer as-Sa'di (p. 452).

The advice should be given privately, not out loud in front of people, unless doing so serves a clear interest that outweighs any negative consequences. Ibn Rajab (may Allah have mercy on him) said: When the early generations wanted to advise someone, they would exhort him in private, to the extent that one of them said: Whoever exhorts his brother one-to-one, that is sincere advice (naseehah), whoever exhorts him in front of people is shaming him. Al-Fudayl said: The believer conceals his brother's faults and gives him advice in private, whereas the evildoer exposes his faults and shames him. End quote from Jaami' al-'Uloom wa'l-Hikam (1/236).

Ibn Hazm (may Allah have mercy on him) said: If you give advice, then gave advice in private, not in public, and by hinting, not by speaking bluntly, unless the person to whom advice is given will not understand hints, in which case there is no option but to speak bluntly.... If you go beyond these guidelines, then you are wronging him and are not being sincere in your advice. End quote from al-Akhlaag wa's-Siyar (p. 45).

However, if there is a scenario where giving advice openly clearly serves the greater interest, then there is nothing wrong with giving advice openly, such as correcting one who made a mistake in matters of belief (ageedah) in front of people, lest people be deceived by what he said and follow him in his mistake. Another example is denouncing someone who tells people that ribaa (usury) is permissible, or spreads bid'ah (innovation) and immorality among people. In such cases giving advice in public is prescribed, and may even be obligatory, because of the greater interest that is served thereby, and so as to ward off harm that is likely to occur.

Ibn Rajab (may Allah have mercy on him) said: If the aim is no more than highlighting the truth of the



matter, so that people will not be deceived by the wrong notionsuttered by that person, then undoubtedly he (the one who seeks to give advice) will be rewarded for his intention, and on the basis of his intention he will be regarded as being sincere towards Allah, His Messenger, the leaders of the Muslims and their common folk. End quote from al-Farq bayna an-Naseehah wa't-Ta'yeer (p. 7).

The one who seeks to give sincere advice should choose the best words and phrases, deal gently with the person who he is advising, and speak kindly to him.

The one who seeks to give advice should bear with patience any harm that may result because of his advice. He should respect confidentiality and conceal the faults of his fellow Muslim, and not speak ill of him to others. The giver of sincere advice is gentle and compassionate, loves good and seeks to conceal people's faults. He should verify the facts before offering advice, and not act on the basis of assumption or conjecture, so that he will not be accusing his brother of something that he did not do

He should choose the appropriate time to give advice. Ibn Mas'ood (may Allah be pleased with him) said: People's energy fluctuates; sometimes they are focused and receptive, and sometimes they lack energy and are not receptive. So approach people when they are energetic and receptive, and let them be when they are lacking energy and focus. Narrated by Ibn al-Mubaarak in az-Zuhd (1331). He should practice what he preaches, doing what he enjoins people to do and refraining from that which he forbids them to do. Allah, may He be exalted, said, rebuking the Children of Israel for the contradiction between their words and deeds (interpretation of the meaning):

"Do you order righteousness of the people and forget yourselves while you recite the Scripture? Then will you not reason?" [al-Baqarah 2:44]. There is a stern warning to the one who tells people to do what is right when he does not do it himself, and forbids them to do what is wrong when he does it himself.

And Allah knows best.

The World Is Place Of Change – An insight – KSA & Tablighi Jamat

Written By Najmuddin Ahmad Farooqi, Lucknow

The world is place of change and the changes constantly take place. Looking back into history this has been going off and on. Change in governments or monarchies often bring such changes. This is human nature not to limit to a single mode of life. Seen in Russia and seeing in China for how long something can be forcefully imposed on others. We must understand the land of Kingdom of Saudi Arabia (KSA) has a special status not chosen by me you or governments or kings but chosen by the lord of universe not from the advent of Islam but thousands of years back from the time of Ibrahim (as). The house of Allah; Baitullah was constructed which has the global centre of 'Tauhid' all over the world until the day of judgement. In Quran 'Surah Tauba' says; "now neither anyone would survive from among the mushrikin". Its custodianship was also taken away from them. For more or less 100 years back a revolution took shape and before that Turks and before them Abbasids were ruling. The change which has come at the advent of 18th century was significant for it has taken place as a result of Islamic revivalist movement brought about by the great scholar and Islamic reformer Mohammad Bin Abdul Wahab.

Hazrat Sheikh Mohammad Ibn Abdul Wahab was born in 1703 in the city of Najd, Saudi Arabia. Belonged to Ahle Sunnat wal Jamaat, he was a follower of Imam Ahmad Bin Hambal (RA) but not averse to other Imams; Abu Hanifa, Imam Shafai or Imam Malik (RA). This is the expressed opinion of Ulema of Darul Uloom Deoband about Ibn Wahab. A Muslim is a Muslim living in any corner of the world until having Faith in oneness of Allah, Qur'an and books on other Prophets are the words of Allah, and عليه وسلم Hazrat Mohammad Mustafa all other Prophets are the Rasools of Allah, Angels (Malaika), on the Day of Judgement and hereafter (Akhirat) and subsequently believes in Five pillars; Kalma, 5 times daily Prayers, one month fasting a year, Zakat (for those who are eligible) and one Hajj during lifetime (for those who are eligible).

The monarchial system has an advantage of having no hindrance and a disadvantage of depending upon the quality of people in the later generations who may bring changes and the transformations accordingly. The subsequent governments after Abdul Wahab had the established influence of ulema who by and large were used to be uncompromising with regard to shirk and bid'at. Unfortunately mistake committed with regard to Shariah was that the government has the right to implement every command of Shariah on the people. The pulpit during Friday prayers is specified for the rulers for taking up the task of drawing attention of the people, guiding and

helping them understand in their individual religious matters. The commands given to the society, relate to government as their responsibility should have been the case though. The mistake of uncompromising attitude of the rulers/ pulpit in personal matters had gone to one extreme and due to monarchial rule people couldn't raise their voices as a result the situation prevailed for more or less a century. The women were confined to homes with number of other restrictions. Against one extreme view there was necessarily going to be a natural reaction. Now the world order has changed, a new class equipped with modern education has emerged and they are thousands in numbers even in the Royal family. In this way opposition to that point of view has gained good strength. All will be well, if this new emerging class ensures the sanctity of Hijaz, the Harmain or two holy cities called Shahar-e-Ameen (cities of peace) with extra precautions and doesn't allow anything to adversely happen which disturbs the sanctity and the special status. The people visit these places for Hajj, Umra etc, hence the environment there should bear the sanctity appropriate to Masajid and not treating them like ordinary cities. The followers of Islam will form the populace of this land while there is no obstacle for others to visit. The people may visit for temporary employments the practice started during the times of prophet صلى الله However, nobody is permitted for permanent settlement here. Neither can there be any construction of alternate places of worship.

The Tablighi Jamaat (TJ) was formed in 1926 by Maulana Mohammad Ilyas Saheb Kandhlawi (RA). An Alma Mater of Darul Uloom Deoband Maulana belonged to Ahle Sunnat Wal Jamaat and was follower of Imam Abu Hanifa (RA). He had the privilege to have studied under the great Islamic scholars of their times Maulana Imdad Ullah Mahajir Makki and Maulana Rasheed Ahmad Gangohi (RA). His life was influenced by Great scholars Sheikh ul-Islam Maulana Syed Husain Ahmad Madani the first recipient of the civilian honour of Padma Bhushan in 1954 and Hakimul ummat Maulana Ashraf Ali Thanvi (RA). The fundamental objective of TJ was approach the members of community to bring them closure to Allah and to pursue the Muslim community to come to mosques. In later years movement gained momentum and spread in other parts of the world. The TJ is not a statutory religious institution rather its a loose unstructured conglomerate, not even a registered body. The purpose of formation of Jamat was to awaken the sleeping community, moving away from the essential practices of Islam Jamat invited them towards the

path of self purification. By any stretch of imagination an individual or a group engaged in the promotion and propagation of religion without the use of violence, force or greed within the community of similar faith, abiding the laws of the land, the acts can't be called criminal or anti national. I remember, Mr L K Advani during his tenure as Home Minister 1998-2004 once on the floor of Lok Sabha apprised the house that TJ is non-political organization working on the ground among the members of Muslim community for their religious purification and there is no iota of antinationalism in their activity.

As regards the latest controversy erupted after a statement against TJ read out on Dec 10, 2021 by Imam Haram in Friday sermon. Since then the news was viral on SM and also received good coverage in mainstream media. The news has two different versions the one it is TJ of Indian origin and the other it is Tabligh – Dawah; Al-Ahbab a group having its roots in Africa.

As I have mentioned earlier, the Friday sermons read out from the Pulpit often have policies and guidelines issued from the offices of the ruler of KSA. So as the criticism on the presence of TJ is not new. In past also promotion or propagation by foreign religious groups was never acceptable to the establishment. In today's world the decision makers have to frame policies protecting their socio economic and political interests besides taking care of international diplomatic relations, more so because of the sanctity and special status of this country among the Muslim world where millions of Muslim pilgrims visit every year for Hajj and Umra from across the globe.

The present Crown Prince Mohammad Bin Salman Bin Abdul Aziz Al Saud who was appointed in June 2017 is said to be the de facto & uncrowned king of KSA. Although from beginning he has been surrounded by many controversies, nevertheless under his leadership the remarkable progress made is unprecedented which catches the attention of international community, eg: progress in the field of modern education science & technology, research & innovation: GDP growth: Human Development Index; Economic freedom and Women's rights. Please see the underneath data for reference:

INTERNATIONAL RANKING OF UNIVERSITIES IN TOP 500 (2021)

1. King Abdulaziz University ranked 190th

2. King Saud University and King Fahd University of Petroleum and Minerals ranked 351st.

The Times Rankings is among top international rankings that Saudi universities achieved development



on for this year, where six Saudi universities appeared on the Shanghai Ranking, including the King Abdulaziz University and King Saud University that were among the best 150 universities in the world.

SCIMAGO INSTITUTIONS RANKING: Three Universities; King Abdullah University of Science and Technology, King Abdulaziz University and King Saud University come in Top 200 of World ranking.

Ranking indicators showed that Saudi Arabia, with its modern system of research and innovation, is considered the first at the global level in terms of improvement of citation of research outcomes with 35%. This reflected positively on the ranking of Saudi universities and contributed to a big improvement in their rankings. The increase in research publications of Saudi universities and development of their quality and influence over the past few years are considered among the most important factors that led to realizing these achievements.

GDP GROWTH: After an expected fiscal deficit of 2.7% of GDP during year estimated to achieve a surplus of 90 billion Saudi riyals (\$23.99 bn), or 2.5 percent of GDP, next year its first surplus since it went into deficit after oil prices crashed in 2014.

HUMAN DEVELOPMENT INDEX: Value for 2019 is 0.854 which put the country in very high category positioning it at 40 out of 189 countries. The rank is shared with Hungary.

WOMEN RIGHTS: In the 2021 World Bank's Women, Business, and the Law index, Saudi Arabia scored 80 out of 100, which puts it ahead of the global average score. The United Nations Economic and Social Council (ECOSOC) elected Saudi Arabia to the U.N. ... The Saudi law ensures equal pay for women and men in the private sector.

ECONOMIC FREEDOM: Saudi Arabia's economic freedom score is 66.0, making its economy the 63rd freest in the 2021 Index. Its overall score has increased by 3.6 points, primarily because of an improvement in business freedom.

बांग्लादेश का मुक्ति संघर्ष : इंदिराजी ने हर मोर्चे पर सफलता हासिल की थी

एल. एस. हरदेनिया

जब सोवियत संघ के महान नेता स्टालिन की मृत्यु हुई थी तब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा था कि स्टालिने ेजतवदह इवजी पद चमबम दक त. इसी तरह की श्रद्धांजलि श्रीमती इंदिरा गांधी को दी जा सकती है। बांग्लादेश के संघर्ष के दौरान जिस सक्षमता से उन्होंने देश का नेतृत्व किया उसे विश्व के युद्धों के इतिहास में स्वर्णाक्षरों से लिखा जाएगा। यहां यह रमरण करना प्रासंगिक होगा कि बांग्लादेश का युद्ध उन्होंने प्रारंभ नहीं किया था। वह हम पर लादा गया था।

पाकिस्तान में हुए चुनावों में मुजीबर रहमान के नेतृत्व वाली अवामी लीग ने विजय हासिल की थी। इसके बावजूद पश्चिमी पाकिस्तान के नेताओं ने उन्हें सत्ता नहीं सौंपी। वोट द्वारा प्राप्त बहुमत को खो देने से पूर्वी पाकिस्तान में असंतोष फैला। असंतोष को दबाने के लिए जबरदस्त ज्यादतियां की गईं। हत्याएं की गईं, महिलाओं की इज्जत लूटी गई। अत्याचार से परेशान होकर लाखों पूर्वी पाकिस्तानियों ने हमारे देश में शरण ली।

इतनी बड़ी संख्या में शरणार्थियों के आने से हमारे देश में तरह-तरह की समस्याएं पैदा हुईं। इसके कारण युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो गई। देश में पैदा स्थिति से दुनिया को अवगत कराने के लिए इदिराजी ने बड़ा कूटनीतिक अभियान प्रारंभ किया। इस अभियान के अंतर्गत स्वयं उन्होंने भी अनेक देशों की यात्राएं कीं। वे इस सिलसिले में तत्कालीन अमरीकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन से मिलीं। मुलाकात असफल रही। इस पर तत्कालीन अमरीकी विदेश मंत्री हैनरी किसिजर ने इदिराजी से कहा "मैडम प्राईम मिनिस्टर क्या आपको नहीं लगता कि राष्ट्रपति के प्रति आप कुछ और धैर्य का प्रदर्शन कर सकतीं थीं"। इंदिराजी का जवाब था "आपके बहुमूल्य सुझाव के लिए धन्यवाद मिस्टर सेक्रेटरी। भारत विकासशील देश अवश्य है किंतु हमारी रीढ़ की हड़ी सीधी और मजबूत है। अत्याचार का सामना करने के लिए हमारे पास इच्छाशक्ति और संसाधन हैं। हम साबित कर दिखाएंगे कि वे दिन गए जब कोई शक्ति हजारों मील दूर बैठकर किसी देश पर शासन कर सके।" मेरी राय में इस भाषा में दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के प्रतिनिधि से इंदिराजी ही बातचीत कर सकतीं थीं।

इंदिराजी ने इस नाजुक घड़ी में प्रतिपक्ष के नेताओं का भरपूर सहयोग लिया। उस समय इंदिराजी ने देश के सबसे सम्मानीय गैर-राजनीतिक नेता जयप्रकाश नारायण को भारत के प्रतिनिधि के रूप में अनेक देशों में भेजा। पश्चिमी जर्मनी की उनकी यात्रा का विवरण अटल बिहारी वाजपेयी मंत्रिपरिषद में वित्तमंत्री रहे यशवत सिन्हा ने अभी हाल में जारी अपने लेख में दिया

है। इंदिराजी ने जेपी को जर्मनी इसलिए भेजा क्योंकि उस समय वहां के चांसलर विल्ली ब्रांईट थे। ब्राइंट सुप्रसिद्ध सोशलिस्ट नेता थे और जयप्रकाशजी के अच्छे मित्र थे। यशवंत सिन्हा उस दौरान जर्मनी की राजधानी बॉन स्थित भारतीय दूतावास में फर्स्ट सेक्रेटरी (कर्मशियल) के पद पर पदस्थ थे।

जयप्रकाशजी ने विश्व के अनेक समाजवादी नेताओं से संपर्क किया। इसी तरह इंदिराजी ने अटलबिहारी वाजपेयी की सेवाओं का भी उपयोग किया। उन्होंने एक संदेश देकर वाजपेयीजी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के तत्कालीन सरसंघ चालक गोलवलकर के पास भेजा। उन्होंने देश में शांति बनाए रखने में आरएसएस की मदद मांगी। यशवंत सिन्हा अपने लेख में कहते हैं कि बांग्लादेश के घटनाक्रम ने यह सिद्ध किया कि कूटनीतिक, सैनिक और देश को एक रखने के मोर्ची पर इंदिराजी ने जो सफलता हासिल की वह इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखी जाएगी।

सिन्हा ने अपने लेख में कहा कि ऐसी महान सफलता का उत्सव मनाते समय इंदिराजी को याद न करना (वर्तमान केन्द्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की) घटिया और तुच्छ मनोवृत्ति के अलावा कुछ नहीं है। कम से कम प्रधानमंत्री से तो यह ऐसी अपेक्षा नहीं है।

बांग्लादेश के विश्व के मानचित्र पर आने ने यह सिद्ध किया कि धर्म आधारित

देश ज्यादा दिन तक नहीं टिकते और न विकास कर पाते हैं। धर्म से ज्यादा भाषा देशों को एक रखती है। बांग्लादेश के निवासियों ने यह घोषित किया था कि बांग्ला हमारी भाषा है। हम पर उर्दू नहीं लादी जा सकती। बांग्लादेश ने एक और चौंकाने वाला काम किया। बांग्लादेश ने रवीन्द्र नाथ टैगोर लिखित "सोनार बांग्ला' को अपना राष्ट्रगान बनाया। यह आश्चर्य और गर्व की बात है कि दो देशों के राष्ट्रगानों के रचयिता एक ही कवि हैं।

इसके अलावा बांग्लादेश ने हमारे देश की तरह धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र को अपना आधार बनाया। बीच में वहां साम्प्रदायिक शक्तियों ने सिर उठाया था परंतु वहां की जनता ने उन्हें शिकस्त दी। हम अपने देश में कैसे इस तरह की शक्तियों को शिकस्त दे सकते हैं यह हमें बांग्लादेश के बहादुर नागरिकों से सीखना चाहिए।

बांग्लादेश के निर्माण के पीछे इंदिराजी की दूरदर्शिता थी जिसके अंतर्गत उन्होंने सोवियत संघ से बीस वर्ष की मैत्री संधि की थी। संधि में यह प्रावधान किया गया था कि दोनों देशों में से किसी पर बाहरी आक्रमण होने की स्थिति में दोनों एक-दूसरे की हर संभव मदद करेंगे। संभवतः इसी प्रावधान के कारण अमरीका ने अपनी नौसेना के सातवें बेड़े को वापिस बुला लिया था। वियतनाम के बाद यह अमरीका की दूसरी बडी शिकस्त थी।

SUBSCRIPTION FORM TIMES OF PEDIA

Issue	Subscription Price	Years
52	250/-	1
104	500/-	2
260	1,300/-	5
520	2,600/-	10
	5,000/-	Life

Contact Phone No..... for donation // /life // /10 yrs // /5 yrs // subscription The sum of Rupees......(Rs...../-) through cheque/DD No......dt.....dt.....

Fill the above form neatly in capital letters and send it to us on the following address:

Times of Pedia, K-2-A-001, Abul Fazal Enclave-I, Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025

or email: timesofpedia@gmail.com

Also Send us your subscription, membership, donation amount in favour of Times of Pedia, New Delhi Punjab National Bank, Nanak Pura Branch, New Delhi-110021

A/C No.1537002100017151, IFS Code: PUNB 0153



Ending Someone's thirst is Biggest
Deed of Humanity

ADVERTISEMENT TARIFF TIMES OF PEDIA

Size/Insertion Single	B&W (Rs)	4 Colour (Rs)
Full Page (23.5 x 36.5 cm)	30,000/-	1,00,000/-
A4 (18.7 x 26.5 cm)	20,000/-	60,000/-
Half Page (Tall-11.6 x 36.5 cm)	18,000/-	50,000/-
Half Page (wide-23.5 x 18 cm)	8,000/-	50,000/-
Quarter Page (11.6 x 18 cm)	10,000/-	28,000/-
Visiting Card size (9.5 x 5.8 cm)	3,000/-	10,000/-

MECHANICAL DATA:

Language: English, Hindi and Urdu

Printing: Front and Back - 4 Colours, Inside pages - B&W

No. of Pages: 12 pages (more in future)

Price: Rs. 3/-Print order: 25,000 Periodicity: Weekly

Material details: Positives/Format of your advertisements should

reach us 10 days before printing.

Note: 50% extra for back page, 100% extra for front page

Please Add Rs. 10 for outstation cheques.

50% advance of total add cost would be highly appreciable, in case of one year continue add. Publication cost will reduce 50% of actual cost.

Bank transactions details of TIMES OF PEDIA

Send your subscriptions/memberships/donations etc. (Cheques/DD) in favour of TIMES OF PEDIA New Delhi Punjab National Bank, Nanak Pura Branch , New Delhi-110021 A/C No.1537002100017151, IFS Code: PUNB 0153700

फिस्ट बॉल, नेशनल चौंपियनशिप संपन्न

जहानाबादः (बिहार) कुरमा संस्कृति स्कूल के प्रांगण में खेली जा रही 12 जूनियर नेशनल तथा 06 फेडरेशन कप, फिस्ट बॉल, नेशनल चौंपियनशिप की विजेता बना पुरुष वर्ग में तेलगाना वहीं महिला वर्ग में हिमाचल की टीम. जुनियर वर्ग मे बालिका वर्ग हिमाचल, तथा बालक वर्ग मे तमिलनाडू बनी विजेता. उप विजेता बालिका तमिलनाडू बालक वर्ग मे दिल्ली. तीसरे स्थान पर बालक वर्ग राजस्थान में. बालिका वर्ग में दिल्ली की टीम रही. इसके पूर्व सेमी फाइनल में हिमाचल की पुरुष टीम ने तमिलनाडु को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी. वही तेलंगाना की टीम ने चंडीगढ को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी.

महिला वर्ग में तमिलनाडु की टीम ने बिहार को हराकर फाइनल में जगह बनाई. हिमाचल की टीम ने चंडीगढ़



फाइनल में जगह बनाई. पुरुष वर्ग में तिमलनाडु एवं महिला वर्ग में चंडीगढ़ तीसरे स्थान पर रही जूनियर नेशनल में बेस्ट प्लेयर का अवार्ड तेलंगाना के महिंद्र, हिमाचल प्रदेश से बालिका स्वेता. सीनियर पुरुष बेस्ट प्लेयर गौतम तमिलनाडु से सुमन कुमारी. बिहार से पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि के तौर पर जहानाबाद एस0डी0एम0, मनोज कुमार, कुरमा संस्कृति के चेयरमैन,

शंकर सिंह, फिस्ट बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के जेनरल सेक्रेटरी टी0 वाला विनायक्रम, फीस्ट बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रसिडेंट कर्म सिंह कर्मा एवं अजय सिंह टुनू जिला सह पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष यह जानकारी बिहार फीस्ट बॉल एसोसिएशन के सचिव, अमरेश कुमार ने दी. उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता सफल संचालन की भूमिका में रेफरी की भूमिका में तमिलनाडु से ई0 रंजीत, ई0 संतोष, तेलंगाना मिस्टर, सुंदर तेलंगाना, अतुल उत्तर प्रदेश, अशोक कुमार ठाकुर हिमाचल प्रदेश, अनमोल कुमार बिहार, अबुल फजल मक्सदुलु बिहार से पुलिकत कुमार, बिहार शुभम कुमार, बिहार विकास कुमार, बिहार अंतरराष्ट्रीय प्रियरंजन कुमार सब ने मिलकर राष्ट्रीय प्रतियोगिता को सफल –आईटीएन

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर छापेमारी के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों से अवैध शराब बरामद.

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर छापेमारी के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों से अवैध शराब बरामद औरगाबादः (बिहार) पुलिस अधीक्षक, औरंगाबाद, कांतेश कुमार मिश्रा के निर्देशन में की गई छापेमारी के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों से अवैध शराब बरामद हुआ है. इसी क्रम में नवीनगर प्रखंड अंतर्गत पड़ने वाली ओ०पी० बडेम थाना क्षेत्र के महुआव (पंचायत) गांव स्थित शिव मंदिर के समीप जब शनिवार को स्थानीय थाना द्वारा छापेमारी की गई तो अवधेश कुमार तथा धीरज कुमार नामक दो व्यक्ति को पुलिस द्वारा अवैध शराब मामले में गिरफ्तार किया गया. तब समाचार प्रेषण पूर्व संवाददाता ने जब रविवार को ओ०पी० बड़ेन थाना प्रभारी, धनजय कुमार सिंह से मोबाइल पर संपर्क स्थापित कर पूछा तो पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि उक्त दोनों व्यक्ति को अवैध शराब बिक्री मामले में गिरफ्तार किया गया है.

संवाददाता ने जब पूछा कि इन दोनों लोगों के पास से कुल कितनी अवैध शराब बरामद हुई है तब जानकारी देते हुए बताया कि एक व्यक्ति के पास से 08 लीटर तथा दूसरा व्यक्ति के पास से 2.5 लीटर अवैध शराब की बरामदगी हुई है. यानी कि गिरफ्तार दोनों व्यक्ति के पास से कल 10.5 लीटर अवैध शराब बरामद की गई है. इसके बाद विभागीय प्रेस विज्ञप्ति भी कुल 10.5 लीटर की ही जारी की गई है. ज्ञात हो कि नवीनगर प्रखंड अंतर्गत पडने वाली ओ०पी० बडेम थाना क्षेत्र के महुआव (पंचायत) गांव स्थित बारुण नबीनगर मुख्य पथ पर बना हुआ शिव मंदिर, कब्रिस्तान से पश्चिम बृहत सोननद जाने वाली मार्ग पर तथा न्यू नगर में हमेशा संध्या पश्चात अवैध शराब बिक्री करने, सोननद के बीच टापू (डीला) पर अवैध शराब निर्माण से संबंधित शिकायतें भी स्थानीय सूत्र द्वारा संवाददाता को मिलती रही है. जिसका संवाददाता ने भी



समय समय पर न्यूज को प्रमुखता से प्रकाशित करते हुए प्रशासन को अवगत कराता रहा है.

इसके अलावे ऐसे भी ओ०पी० बड़ेम तथा एन०टी०पी०सी०, खैरा, दोनों थाना के साथ जो पूर्व में मामला हुआ है. वह किसी क्षेत्रवासियों से भी छुपी हुई नहीं है. क्योंकि जब औरंगाबाद में तत्कालीन सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अनूप कुमार तथा पुलिस कप्तान, दीपक वर्णवाल कार्यरत थे, तो उसी वक्त लाइनर एवं खैरा थाने की मुंशी रजनीश कुमार रंजन के बीच हुई मोबाइल पर बातचीत का ऑडियो भी काफी तेजी से वायरल हुआ था इसके बाद अवैध शराब के धंधे में शामिल दोनों लाइनर को गिरफ्तार भी किया गया था. उस वक्त खैरा थाना में थाना प्रभारी के पद पर अमरेंद्र कुमार कार्यरत थे. लेकिन उस वक्त खैरा थाना में ताज्जुब की बात हुई थी कि थाने के हाजत में बंद दोनों गिरफ्तार लाइनर खैरा थाना से भी भाग गया था. इसी वजह से जिले के वरीय पुलिस अधिकारी ने खैरा थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार को निलंबित करते हुए लगभग खैरा थाने के सभी स्टाफ को भी हटा दिया था.

खैरा थाने की मुंशी को भी जेल भेज दिया गया था. जो काफी समय तक खैरा

थाना का मामला सुर्खियों में छाया रहा था. इतना ही नहीं खैरा थाना में घटित इस घटना के बाद जब ओ0पी0, बडेम थाना के स्टाफ भी अपने दल बल के साथ कुछ दिनों पश्चात महुआव (पंचायत) गांव के आरोपी अवैध शराब लाइनर को गिरफ्तार करने के लिए गया था. तब आरोपी के घर पर झगड़ा भी हुआ था. इसके बाद जब पुलिस को जानकारी मिली थी कि थाना से भागा हुआ दोनों शराब लाइनर कैमूर जिला अंतर्गत सोनहन थाना के नाकी पट्टी गांव में अपने रिश्तेदार के यहां है. तब वहां भी पुलिस प्रशासन की टीम पहुंच चुकी थी. इसके बाद वहां भी गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर लाइनर समर्थकों द्वारा हमला बोल दिया गया था. और दोनों लाइनर पुलिस के गिरफ्त में नहीं आ सका था. तब उस वक्त भी खैरा थाना प्रभारी, अमरेंद्र कुमार द्वारा एक प्राथमिकी कैमूर जिला अंतर्गत सोनहन थाना में भी दर्ज कराया गया था. इसलिए ओ०पी० बडेम थाना तथा एन०टी०पी०सी० खैरा थाना क्षेत्र पर सवाल उटना तो लाजमी होगा ही. इसलिए जिले के वरीय अधिकारियों को भी चाहिए कि ओ०पी०, बड़ेम तथा एन०टी०पी०सी० खैरा थाना पर बारीकी से नजर अवश्य बनाएं. तभी अवैध शराब के धंधे में शामिल लोगों पर लगाम

वास्तव रूप में लग पायेगी, अन्यथा संभव नहीं. क्योंकि वर्तमान भी जो सूत्र के द्वारा संवाददाता को जानकारी मिल रही है. उसके मुताबिक दोनों थाना क्षेत्रों में अवैध शराब का धंधा करने वालों का खेल निरंतर जारी है. वही पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में ही की गई छापेमारी के दौरान उपहारा थाना प्रभारी द्वारा 11.5 लीटर अवैध देशी शराब जप्त किया गया. नरारी कला खुर्द थाना द्वारा शुक्रवार दिनांक 17 दिसंबर 2021 को 30 लीटर अवैध देशी शराब जप्त करते हुए 01 व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया गया, तथा दूसरे दिन भी शनिवार दिनांक 18 दिसंबर 2021 को नरारी कला खुर्द थाना द्वारा 01 व्यक्ति को शराब सेवन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया कुटुंबा थाना द्वारा शुक्रवार दिनांक 17 दिसंबर 2021 को 6.375 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब, 22.5 लीटर अवैद्य देशों शराब जप्त करते हुए मोटरसाइकिल भी जप्त किया गया.

बारुण थाना द्वारा शुक्रवार दिनांक 17 दिसंबर 2021 को 04 लीटर अवैध देशी शराब तथा शनिवार दिनांक 18 दिसंबर 2021 को भी 02 लीटर अवैध देशी शराब, 01 मोटरसाइकिल जप्त करते हुए 01 व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है नगर थाना औरंगाबाद, द्वारा शनिवार दिनांक 18 दिसंबर 2021 को 271.5 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब जप्त करते हुए 02 व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया गया. देव थाना द्वारा 10 लीटर अवैध देशी शराब, 01 मोटरसाइकिल एवं 02 व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया गया.

मदनपुर थाना द्वारा 10 लीटर अवैध देशी शराब जप्त करते हुए 01 व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया. अंबा थाना द्वारा 0. 375 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब, 05 लीटर अवैध देशी शराब, 01 मोटरसाइकिल जप्त करते हुए 01 व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया है. गोह थाना द्वारा 10 लीटर अवैध देशी शराब जप्त किया गया है.

विभागीय लापरबाही पर कोई लगाम नहीं: खतरनाक है, गहरा नाला

औरंगाबादः (बिहार) वैसे तो विभागीय लापरवाही देश के हर जगह है लेकिन आज हम नगर पंचायत, रफीगंज स्थित बस स्टैंड से आगे मुख्य पथ पर कलाली रोड में सड़क किनारे गहरे नाले की बात कर रहे हैं जिसे विगत नवंबर माह से ही काफी गहरे नाले की खुदाई करा कर छोड दी गई है. लेकिन आज भी स्थिति जस की तस ही है. जिसकी वजह से इस मुख्य पथ पर गुजरने वाले किसी भी व्यक्ति के साथ कभी भी बहुत बड़ी हादसा हो सकती हैं. लेकिन नगर पंचायत, रफीगंज के जनप्रतिनिधि या विभागीय पदाधिकारी को भी इस मुख्य पथ पर अभी कोई ध्यान नहीं है. इसीलिए अब धीरे धीरे रफीगंज वासियों में भी लगभग प्रत्येक स्थानों पर यह बात उठने लगी है, कि बे वजह इस मुख्य पथ पर नगर पंचायत द्वारा इतने दिनों से गहरी नाला की खुदाई करा कर के क्यों छोड़ दिया गया है? इसका क्या मतलब है? जो किसी को भी कुछ समझ में नहीं आ रहा है.

रफीगंज के ही कुछ नगर पंचायत ,जनप्रतिनिधि रह चुके जानकारो का कहना कि नगर पंचायत, रफीगंज द्वारा सन् 2018, 2019 में 01 करोड 64 लाख



रुपए की निविदा भी जारी की गई थी. लेकिन जारी किए गए उस निविदा की राशि भी नगर पंचायत, रफीगंज द्वारा रद्द कर के पता नहीं कौन सा दूसरे मद में खर्च कर दिया गया. जो रफीगंज जनता को भी समझ में नहीं आ रहा है. क्योंकि यदि किसी भी मद में विभागीय कोई निविदा जारी की जाती है, तो फंड रहने के बाद ही विभागीय निविदा जारी की जाती है. अन्यथा विभागीय निविदा जारी



ही नहीं की जाती है. तब इसी संबंध में जब दूसरी ओर समाचार प्रेषण पूर्व संवाददाता ने नगर पंचायत, रफीगंज के कार्यपालक पदाधिकारी के मोबाइल पर संपर्क स्थापित कर वर्तमान गहरे नाले की खुदाई से संबंधित सवाल पूछा, तो पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि पूरा शहर में लगभग 10 वार्ड का पानी रुका हुआ था. तब सोचा कि आखिर तत्काल 10 वार्ड का पानी कैसे निकाला जाए. तत्कालिक कोई विकल्प भी नहीं था. इसलिए बस स्टैंड से कलाली रोड मुख्य पथ में नाला की खुदाई करा दी गई. लेकिन वर्तमान यह नाला किसी प्लान में नहीं है, क्योंकि अभी नगर पंचायत, रफीगज में इसका कोई फड भी नहीं है.

विभागीय फंड आएगा, तो देखेंगे, या फिर बाद में कोई विकल्प निकाला जाएगा तब संवाददाता ने पूछा कि रफीगंज के कुछ लोगों से शिकायत प्राप्त हो रही है कि सन 2018 2019 में नगर पंचायत की ओर से शहर हेतु 01 करोड़ 64 लाख रुपए की निविदा भी जारी की गई थी. लेकिन बाद में उस निविदा को रद कर के पता नहीं फंड का पैसा कहां ले जाया गया? जो रफीगंज वासियों को भी समझ में नहीं आ रहा है.

तब कार्यपालक पदाधिकारी ने जवाब देते हुए कहा कि उस वक्त भी फंड के अभाव में ही नगर पंचायत, रफीगंज का कार्य पुरा नहीं किया गया था. हम लोग विभाग से फंड की मांग करते रहे थे. लेकिन विभाग ने पैसा नहीं दिया था. ट्रेजरी भी पैसा उपलब्ध नहीं कराया था. इसलिए उस वक्त भी कोई काम नहीं –आईटीएन कराया गया था.

रंगाबाद सांसद ने उढाया अपने क्षेत्र से संबंधित

औरगाबादः (बिहार) सांसद, सुशील कुमार सिंह ने लोकसभा में दीन दयाल उपाध्याय, ग्रामीण कौशल योजना अंतर्गत रोजगार के सम्बंध में तारांकित प्रश्न संख्या ३२६ में ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार से कहा है कि मेरा प्रश्न ग्रामीण क्षेत्र में युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार से संबंधित है.

मेरा संसदीय क्षेत्र बिहार के दो जिलों औरंगाबाद एवं गया जिले में है, और दोनों ही जिले नक्सल प्रभावित एवं अत्यंत पिछड़े आकाक्षावान जिले की सूची में है. मेरे प्रश्न का उद्देश्य यह है कि ग्रामीण युवाओं को रोजगार मिले. वह आत्म निर्भर हो. वह बंदूक ना थामकर किसी न किसी रोजगार में वे लिप्त हो जाए, और मैं मंत्री से यह जानना चाहूँगा कि दीन दयाल उपाध्याय कौशल विकास योजना अंतर्गत प्रशिक्षित एवं निबंधित युवाओं के स्व



रोजगार एवं सरकारी नौकरियों में जाने वाले युवाओं की प्रतिशतता का राज्यवार और खासकर मेरे संसदीय क्षेत्र के जो उग्रवाद प्रभावित इलाका औरंगाबाद एवं गया जिले का प्रतिशत क्या है?.

इस प्रश्न का जवाब देते हुए ग्रामीण विकास और पंचायती राज्य मंत्री, गिरिराज सिंह ने कहा कि मैं सदस्य को बताना चाहूँगा कि दीन दयाल उपाध्याय कौशल विकास योजना की जो कल्पना की गई है. वह ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को

ही रोजगार देने का है, और उस रोजगार के अंतर्गत पूरे देश में 11,23,783 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया, और 7,13,723 लोगों को रोजगार दी गई. डी०डी०यू०जी०के०वाई० वर्तमान में 27 राज्य और 04 केन्द्र शासित प्रदेशों में लागू है. जहां 1,891 परियोजनाएँ चल रही है. 2,369 से अधिक प्रशिक्षण केन्द्र है, और इसमें 877 से अधिक पर योजनाएँ कार्यान्वित एजेंसियों के साथ 616 से अधिक जॉब रोल के लिए 97 सेक्टर में प्रशिक्षण दिया जा रहा है.

बिहार में 55,125 लोगो को प्रशिक्षित किया गया, और 29,114 लोगो को रोजगार दिया गया. ये राज्यो में कही भी स्थापित होगा, और किसी भी जिले के नौजवान गरीब वहाँ आकर ट्रेनिंग लेंगे. लेकिन मैंने औरगाबाद का आँकड़ा निकाला है. 2014 से 2016 तक 540 लोग प्रशिक्षित हुए, और 187 लोगो का प्लेसमेंट हुआ. 2016 से 2017 तक 614 लोग प्रशिक्षित हुए. जिसमे कुल मिलाकर 2,779 लोग औरंगाबाद में प्रशिक्षित हुए, और 1,527 लोगो को नौकरी मिली.

डी०डी०यू०जी०के०वाई० उग्रवाद और वामपंथ इलाके में एक रोशनी नाम से वामपंथी उग्रवाद प्रभावित 09 राज्यों के 27 जिलों में लागू की जा रही है, एवं बिहार के भी गया एवं जमुई,आंध्र प्रदेश, विशाखापट्टनम, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, इन सभी जगह के प्रशिक्षकों के लिए सभी प्रशिक्षण आवासीय प्रकृति की है, और महिला अभ्यर्थियों के कवरेज मिनिमम ४० प्रतिशत है. अब तक ६०,,०13 लोग प्रशिक्षित हुए, और 33,042 लोगो को रोजगार से जोडा गया.

—आईटीएन

बाद न्यायालय से इंश्योरेंस कंपनी को ५३ लाख रूपया मुआबजा देने क

व्यवहार न्यायालय, औरंगाबाद के ए०डी०जे० अमित कुमार ने मोटर दुघटना दावा वाद 09 / 2012 में सुनवायी करते हुए इश्योरंस कंपनी को आदेश दिया है कि दावा कर्ता, कलावती सिंह, क्षत्रीय नगर, औरंगाबाद को 53 लाख रुपया मुआवजा दिया जाए कलावती सिंह के पति विजय कुमार सिंह पेशे से शिक्षक थे. 52 वर्ष की उम्र में 09अप्रैल 2011 को राष्ट्रीय राज्य मार्ग पर पुल से गुजरने के दौरान इंडिगो कार से जोरदार धक्का लगने से इलाज के क्रम में ही उनकी मौत हो गई. उनका मासिक आमदनी 47,606



रुपया था. इस घटना पर नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी. जो सूचक के फर्द बयान पर आधारित था.

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी दुर्घटना से मौत की पुष्टि हुई थी. इश्योरेंस पेपर भी आईसीआईसीआई लोम बार्ड बीमाकृत थी. मृतक का सर्विस बुक और पेंशन बुक तथा आश्रित प्रमाण पत्र न्यायालय में पेश किया गया था. इन दस्तावेजों के आधार पर न्यायालय ने फैसला सुनाया है. ध्यातव्य हो कि बीमा कंपनी की ओर से अधिवक्ता, रंजनी बल्लभ तथा दावा कर्ता की ओर से कृष्ण कुमार ने भाग लिया.

बेचौनी और दबाब के माहौल में खुशी का फॉर्मूला ISTD

जिंदगी को आसान और मंगलमय बनाने में आपको जो चाहिए वो यहाँ मिल सकता है, क्या है ISTD आप भी जाने और अपने जीवन को Free में बनायें हसीन और Stress Free

Kota: दुनिया जब नफरत, द्वेष, खौफ और महामारी का दौर हो समाज, वर्गों, समुदायों, धर्मों और लिंग के आधार पर बांटा जा रहा हो. इंसान की फितरत इंसान को नीचे दिखाना, लूटना, खसोटना बन गया हो. इंसान मानवता छोड़कर भेड़िया बन गया ही ऐसे में अगर कहीं इंसानियत की, प्यार की, मोहब्बत की सामंजस्य और सौहार्द तथा सद्भाव की मजलिसें सजाई जा रही हों तो वो यकीनन जन्नत नुमा महिफल होगी.

ऐसी ही एक महफिल Indian Society For Training & Development (ISTD) कोटा चौप्टर की तरफ से सजाई गयी, सैटरडे नॉलेज शेयिरेंग सेशन श्रंखला के अंतर्गत हैप्पीनेस यानी उल्लास या खुशी विषय पर एक सेशन का आयोजन होटल सूर्या प्लाजा कोटा राजस्थान में आयोजित किया गया. जिसमें मुख्य वक्ता कोटा चौप्टर की सदस्य ओम कोटारी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट की प्रोफेसर डॉ मोनिका दुबे ने हैप्पीनेस इंडेक्स पर भारत की विश्व में स्थिति बताते हुए पिछड़ेपन के कारणों की चर्चा की.

उन्होंने स्थिति सुधारने हेतु स्वयं को खुश रखने को हर भारतीय का नैतिक कर्तव्य बताया उन्होंने GDP के साथ ग्रॉस नेशनल हैप्पीनेस यानी GNH के महत्व को समझाया. हैप्पीनेस के कुछ व्यावहारिक



तरीके रोचक कहानी द्वारा बताए गए जिसमें क्लब 99 का मेंबर की एक दिलचस्प और सबक आमोज कहानी भी ब्यान की जिसमें बताया गया की Club 99 का मेंबर बनने के बाद इंसान किस तरह सुख से हाथ धो बैठता है.

डॉ मोनिका दुबे ने जीवन में सर्वप्रथम परिवार फिर कार्य को प्राथमिकता देने व मित्रों के साथ शैयरिंग करने पर बल दिया. हैप्पीनेस के साथ जीवन में Sustainability व Harmony व्यवहार में लाने की महत्ता बताई. इस अवसर पर डॉ साहनी व दिल्ली से पधारे टाइम्स ऑफ पीडिया चीफ एडिटर अली आदिल खान ने भी अपने विचार व्यक्त किए कार्यक्रम की अध्यक्षता चेयर पर्सन अनीता चौहान

ने की व अंत में श्री नरेंद्र शुक्ला ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया, ISTD मीडिया प्रभारी बी एस वर्मा के अलावा दर्जनों बुद्धिजीवियों ने इस कार्यक्रम में शिरकत की और ISTD की chairperson की कोशिशों को सराहा तथा इस प्रकार के Programmes में सहयोग का भी आश्वासन दिया.

एलआईसी अभिकर्ता अपने पॉलिसी धारकों को अमरत्व का कवच देते हैं: दीपाल डे

औरंगाबादः (बिहार) यह कथन उस वक्त की है. जब भारतीय जीवन बीमा निगम के शाखा कार्यालय, औरगाबाद में बुधवार दिनांक 22 दिसंबर 221 को मंडल कार्यालय, पटना से चलकर औरंगाबाद पहुंचे विक्रय प्रशिक्षण केंद्र, के प्राचार्य, दीपाल डे, एलआईसी अभिकर्ताओं को प्रशिक्षण दे रहे थे. जिसमें उन्होंने बड़े ही गर्व से संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जीवन बीमा निगम को भारतीय संविधान ने ही जन्म दिया है. साथ ही एलआईसी पॉलिसी धारकों की पैसे की स्रक्षित गारंटी भी सार्वभौमिक रूप से भारत सरकार ही लेती है. जो महाशक्ति प्राप्त है एलआईसी के साथ. भारत सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम को देश सेवा के लिए ही सन 1956 में खड़ा करके सौंप दिया. इसके बाद स्थापना काल से लेकर वर्तमान तक जन सेवा करने का ही कार्य किया है. एलआईसी का जब सन् 26 में 5 वर्ष पूरा हुआ था, तो भारत सरकार के वित्त मंत्री, पी चिदंबरम ने भी बड़े ही गर्व के साथ कहा था, कि तीन अक्षर वाला एलआईसी, अर्थव्यवस्था में रीढ का काम करती है. इसलिए आप लोग भी जान लीजिए, कि एलआईसी का मुख्य मकसद है. अपने पॉलिसी धारकों को बेहतर लाभ पहुंचाना. इसलिए यदि सही मायने में आप अपने पॉलिसी धारकों को बेहतर फायदा देना चाहते हैं, तो शेयर (यूनिट लिंक) मार्केट मैं पैसा अवश्य

इन्वेस्ट कराएं, तथा स्वयं भी शेयर मार्केट में पैसा अवश्य लगाएं, क्योंकि यदि कोई भी व्यक्ति गारंटी इंटरेस्ट का प्लान बनाता है. तब वह व्यक्ति अपने जीवन में कदापि अमीर नहीं बन सकता. आप लोग यह भी जान लीजिए कि रिवैल्युएशन मार्केट के चक्कर में ही 96: भारतीय पड़े रहते हैं. सिर्फ 4: ही भारतीय शेयर (इक्विटी) मार्केट में पैसा लगाता है. शेयर (इक्विटी) मार्केट में कार्य 6 देश ही करती है. जिसका शार्ट नाम ब्रिक्स (ठतपबो) है. मतलब ब्राजील, रसिया, इंडिया, चाइना, अमेरिका तथा साउथ अफ्रीका. इसी वजह से यहां के अधिकांश भारतीय का जीवन में विकास नहीं होता. क्योंकि यहां के अधिकांश भारतीय के दिलों दिमाग में बैठा हुआ है, कि मेरा बैंक, पोस्ट ऑफिस में जमा पैसा का निश्चित इंटरेस्ट प्राप्त हो. लेकिन वैसे लोगों को यह मालूम नहीं है कि ऐसे स्थानों पर पैसा जमा रखने वाले लोगों को पूर्व में 13: इंटरेस्ट मिलता था. जो अब 5ः पर आ गया. जिसका प्रतिवर्ष रिजर्व बैंक आफ इंडिया इंटरेस्ट रेट तय करती है परंतु जो लोग बैंक से लोन लेकर भी बड़े बड़े धंधे में उस पैसा को लगाकर अच्छी आमदनी प्राप्त करते हैं, और बैंक का लोन भी चुकाते हैं. इसी प्राप्त आमदनी में से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, प्रत्येक वर्ष यह तय करती है कि बैंक खाताधारकों को कितना प्रतिशत इंटरेस्ट भुगतान किया जाए. लेकिन शेयर में पैसा लगाने वाला कोई भी व्यक्ति को कब कितना आमदनी होगा. यह कहा नहीं जा सकता. इसलिए शेयर में पैसा खुद एवं अपने पॉलिसी धारकों को भी अवश्य लगवाएं. क्योंकि असली फसल का लाभ शेयर से ही प्राप्त होगा.

इसके अलावे विक्रय प्रशिक्षण केंद्र, प्राचार्य ने मंच से संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जीवन बीमा निगम के पास जो कैंसर कवर प्लान है. वह पूरे विश्व में किसी भी इश्योरेंस कंपनी के पास नहीं है. जो मिनिमम 1 लाख तथा अधिकतम 5 लाख रुपये तक का कैंसर कवर प्लान है. इस प्लान में खासियत है कि यदि किसी भी पॉलिसी धारक को प्रथम स्टेज में कैंसर होता है, तो चिकित्सा जांच रिपोर्ट का एलआईसी में ओरिजिनल बिल जमा करने के पश्चात बीमा राशि का 25: तुरंत भूगतान किया जाता है, और यदि डॉ यह कह दे कि कैंसर गंभीर स्थिति में है. तब ऐसी परिस्थिति में भारतीय जीवन बीमा निगम अपने पॉलिसी धारक को पूरा 1: बीमा राशि का भुगतान कर देती है. इसके अलावे यदि कैंसर से पीड़ित पॉलिसी धारक की मृत्यु हो जाती है. तब भी उसके नॉमिनी को 1 वर्षों तक नियमित बीमा राशि का 1: प्रतिमाह के हिसाब से भुगतान करती रहेगी. यानी कि यदि किसी भी पॉलिसी धारक द्वारा कैंसर कवर प्लान के अंतर्गत 1 लाख रुपया का बीमा लिया गया है. तब उसके मृत्युपरांत भी नॉमिनी

को 1 हजार रुपया प्रतिमाह के हिसाब से 1 वर्षों तक देय होगी. यदि कोई पॉलिसी धारक 5 लाख रुपया तक का कैंसर कवर प्लान लिए हुए हैं,,तो पॉलिसी धारक की मृत्यु होने के पश्चात उसके नॉमिनी को प्रतिमाह 1: के हिसाब से 5 हजार रूपया 1 वर्षों तक देय होगी जिससे कम से कम उसकी आर्थिक स्थिति अवश्य संभल जाएगी. नहीं तो कैंसर एक ऐसी भयंकर बीमारी है, कि अच्छे अच्छे लोगों की भी आर्थिक स्थिति बर्बाद कर देती है. इसलिए कैंसर कवर प्लान लेने के लिए भी अपने पॉलिसी धारकों को अवश्य कहे. जिससे स्वयं तथा उनका परिवार भी भविष्य में सूरक्षित रहे.

आप लोग जान लीजिए कि भारतीय जीवन बीमा निगम की और से पॉलिसी धारक द्वारा खरीदा गया कैंसर कवर प्लान में ही सिर्फ यह सुविधा दी गई है, कि यदि इस कैंसर कवर प्लान के तहत किसी पॉलिसी धारक की मृत्यु भी हो जाती है, तो उसके नॉमिनी को बीमा राशि का 1: के हिसाब से प्रतिमाह 1 वर्षों तक देय होती है. जो किसी भी इंश्योरेंस कंपनी में यह सुविधा उपलब्ध नहीं है. इसी लिए इस पॉलिसी को बेस्ट ऑफ द वर्ल्ड, कैंसर कवर प्लान कहा गया है. इसके अलावे भी भारतीय जीवन बीमा निगम के पास नियमित प्रीमियम, सिंगल प्रीमियम, पेंशन प्लान उपलब्ध है.

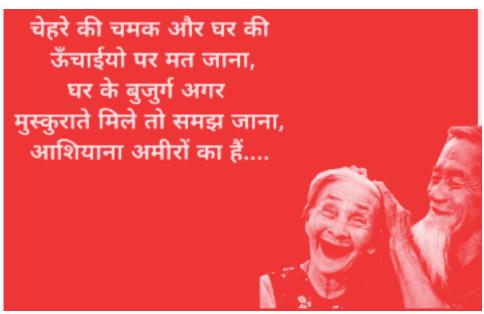
–अजय पांडे

سلسلہ جاری
محمد زبیر شیخ نے ۱۰۰
کتاب پیاری زبان اردو
اقبال لائبریری گوتم
پوری دہلی کو تحفہ
پیش کیااظہار تشکر
مخلص حکیم اجملی
آپ کا نمبر کب

9350578519

السلام علیکم جناب آپ کو
یہ جان کر خوشی ہوگی کہ
علامہ اقبال میموریل
لائبریری میں کتابوں کا آنے
کا سلسلہ شروع ہو گیا آپ
سے درخواست ہے کہ آپ
بھی تعاون کرے میوات سے
ڈاکٹر قمرالدین ذاکر صاحب
اور مسلم فنڈ نجیب آباد کے
اور مسلم فنڈ نجیب آباد کے
مینیجر جناب اظفارالحق
ذکی صاحب کا شکریہ
ذکی صاحب کا شکریہ











Congratulations

TO THE YOUNG AND TALENTED
STUDENTS OF
TALENT ZONE ACADEMY
FOR ACHIEVING SUCH MARKS IN
NEET & IIT.

You all have proved that great things can be achieved through hard works and efforts I would also like to congratulate the faculty team of the Talent Zone Academy for their efforts and giving proper guidance to the students This result marks the first stroke of the beginning

Sana homoeopathy Aligarh

HOMEOPATHY MEDICINE

FOR

DIABETES

9760291236



CARROTS-EYES:

SLICE a carrot and it looks just like an eye, right down to the pattern of the iris. It's a clear clue to the importance this everyday veg has for vision. Carrots get their orange colour from a plant chemical called betacarotene, which reduces the risk of developing cataracts. The chemical also protects against macular degeneration an agerelated sight problem that affects one in four over-65s. It is the most common cause of blindness in Britain . But popping a betacarotene pill doesn't have the same effect, say scientists at Johns Hopkins Hospital in Baltimore

WALNUT-BRAIN:

The gnarled folds of a walnut mimic the appearance of a human brain - and provide a clue to the benefits. Walnuts are the only nuts which contain significant amounts of omega-3 fatty acids. They may also help head off dementia.

An American study found that walnut extract broke down the protein-based plaques associated with Alzheimer's disease. Researchers at Tufts University in Boston found walnuts reversed some signs of brain ageing in rats. Dr James Joseph, who headed the study, said walnuts also appear to enhance signalling within the brain and encourage new messaging links between brain cells.

TOMATO-HEART:

A Tomato is red and usually has four chambers, just like our heart. Tomatoes are also a great source of lycopene, a plant chemical that reduces the risk of heart disease and several cancers. The Women's Health Study — an American research programme which tracks the health of 40,000 women found women with the highest blood levels of lycopene had 30 per cent less heart disease than women who had very little lycopene. Lab experiments have also shown that lycopene helps counter the effect of unhealthy LDL cholesterol. One Canadian study, published in the journal Experimental Biology and Medicine, said there was "convincing vidence' that lycopene prevented coronary heart disease.

GRAPES-LUNGS:

OUR lungs are made up of branches of ever-smaller airways that finish up with tiny bunches of tissue called alveoli. These structures, which resemble bunches of grapes, allow oxygen to pass from the lungs to the blood stream. One reason that very premature babies struggle to survive is that these alveoli do not begin to form until week 23 or 24 of pregnancy. A diet high in fresh fruit, such as grapes, has been shown to reduce the risk of lung cancer and emphysema. Grape seeds also contain a chemi-

cal called proanthocyanidin, which appears to reduce the severity of asthma triggered by allergy.

CHEESE-BONES:

A nice 'holey' cheese, like Emmenthal, is not just good for your bones, it even resembles their internal structure. And like most cheeses, it is a rich source of calcium, a vital ingredient for strong bones and reducing the risk of osteoporosis later in life. Together with another mineral called phosphate, it provides the main strength in bones but also helps to 'power' muscles. Getting enough calcium in the diet during childhood is crucial for strong bones. A study at Columbia University in New York showed teens who increased calcium intake from 800mg a day to 1200mg - equal to an extra two slices of cheddar - boosted their bone density by six per cent.

GINGER-STOMACH:

Root ginger, commonly sold in supermarkets, often looks just like the stomach. So it's interesting that one of its biggest benefits is aiding digestion. The Chinese have been using it for over 2,000 years to calm the stomach and cure nausea, while it is also a popular remedy for motion sickness. But the benefits could go much further.

Tests on mice at the University of Minnesota found injecting the chemical that gives ginger its flavour



slowed down the growth rate of bowel tumours

MUSHROOM-EAR:

Slice a mushroom in half and it resembles the shape of the human ear. And guess what? Adding it to your cooking could actually improve your hearing. That's because mushrooms are one of the few foods in our diet that contain vitamin D. This particular vitamin is important for healthy bones, even the tiny ones in the ear that transmit sound to the brain.

BROCCOLI-CANCER:

Close-up, the tiny green tips on a broccoli head look like hundreds of cancer cells. Now scientists know this disease-busting veg can play a crucial role in preventing the disease. Last year, a team of researchers at the US National Cancer Institute found just a weekly serving of broccoli was enough to reduce the risk of prostate cancer by 45 per cent. In Britain, prostate cancer kills one man every hour.



16	17	18	19	20	21	22	20	21	22	23	24	25	26	20	21	22	23	24	25	26	17	18	19	20	21	22	23	
10	17	10	17	20	21	22	20	21		20	21	23	20	20	21	22	23	21	20	20	17	10	17	20	21		23	
23	24	25	26	27	28	29	27	28						27	28	29	30	31			24	25	26	27	28	29	30	
30	31	1	2	3	4	5																						
	May								June								July				August							
S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	
1	2	3	4	5	6	7				1	2	3	4						1	2		1	2	3	4	5	6	
8	9	10	11	12	13	14	5	6	7	8	9	10	11	3	4	5	6	7	8	9	7	8	9	10	11	12	13	
15	16	17	18	19	20	21	12	13	14	15	16	17	18	10	11	12	13	14	15	16	14	15	16	17	18	19	20	
22	23	24	25	26	27	28	19	20	21	22	23	24	25	17	18	19	20	21	22	23	21	22	23	24	25	26	27	
29	30	31					26	27	28	29	30			24	25	26	27	28	29	30	28	29	30	31				
														31	1	2	3	4	5	6								

September									Oc	tobe	r					November								December					
	S	M	T	W	T	F	S	S	M	Τ	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	
					1	2	3							1			1	2	3	4	5					1	2	3	
	4	5	6	7	8	9	10	2	3	4	5	6	7	8	6	7	8	9	10	11	12	4	5	6	7	8	9	10	
	11	12	13	14	15	16	17	9	10	11	12	13	14	15	13	14	15	16	17	18	19	11	12	13	14	15	16	17	
	18	19	20	21	22	23	24	16	17	18	19	20	21	22	20	21	22	23	24	25	26	18	19	20	21	22	23	24	
	25	26	27	28	29	30		23	24	25	26	27	28	29	27	28	29	30				25	26	27	28	29	30	31	
								30	31	1	2	3	4	5															